'kks/k izk:i

ukxiqjh ds fodkl esa vk/kqfud lkfgR;dkjksa ,oa laLd`fr dfeZ;ksa dk ;ksxnku % ,d v/;;u

ih,p- Mh- gsrq izLrkfor 'kks/k izk:i

tutkrh; ,oa {ks=h; Hkk"kk ladk;

jk¡ph fo'ofo|ky;] jk¡ph

o"kZ& 2023

'kks/k funsZ'kd %

प्रो० (डॉ०) f=osf.kh ukFk lkgq

dqyifr

>kj[k.M jkT; [kqyk

fo'ofo|ky;] jk¡ph] >kj[k.MA

'kks/kkFkhZ %

dapu eq.Mk

lgk;d izk/;kid

ukxiqjh Hkk"kk foHkkx]

Mkj.Mk egkfo|ky;] jk¡ph

यू०जी०सी०–नेट

iLrkouk %&

झारखण्डी भाषा, संस्कृति, आज भारत ही नहीं बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। नागपुरी झारखण्ड की एक महत्त्वपूर्ण भाषा है। झारखण्डी संस्कृति को अन्तर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने में नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों का योगदान महत्त्वपूर्ण रहा है। नागपुरी साहित्य और संस्कृति का सर्वाधिक उत्थान आधुनिक काल के साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों जैसे प्रफुल कुमार राय, फा० पीटर शांति नवरंगी, डॉ० बी०पी० केसरी, नइमुद्दीन मिरदाहा, योगेन्द्र नाथ तिवारी, सहनी उपेन्द्र पाल नहन, शारदा प्रसाद शर्मा एवं संस्कृति कर्मियों में पद्म श्री मुकुन्द नायक, पद्म श्री मधुमंसुरी हंसमुख, महावीर नायक, जानकी देवी, जस्टीन एक्का, क्षितीज कुमार राय, आजाद अंसारी जैसे और भी महान् विभूतियों न अपना योगदान दिया है। इस आधुनिक दौर में नागपुरी साहित्य के विभिन्न विधाओं में उच्च कोटि की रचना मिलती है। इसमें पंचम साहु के उपन्यास सरईगढ़ा, दखलदहानी, बन ओगरा, डॉ० शकुन्तला मिश्र, रचित उपन्यास सातो नदी पार, बालमुकुन्द बड़ाईक रचित चकरी आदि प्रमुख रचनाएँ देखने को मिलती है। वर्ष 2014 ई० में डॉ० बी०पी० केसरी के किताब नागपुरी कवि एवं उनके काव्य प्रकाशित हुई। जिसमें प्रचीनत्म कवि से लेकर आधुनिक काल तक के लगभग सभी प्रमुख कवियों का वर्णन मिलता है। 2016 ई० में डॉ० गिरिधारी राम गौंझू 'गिरिराज' की पुस्तक झारखण्ड की सांस्कृतिक विरासत नाम से पुस्तक का प्रकाशन हुआ, जिसमें नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों की भूमिका विभिन्न पत्र–पत्रिकाओं में नागपुरी से संबंधित महत्त्वपूर्ण आलेख संकलित है। 2022 में मरणोपरांत झारखण्ड में साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पद्मश्री

से सम्मानित किया गया, जो पूरे साहित्यिक समाज के लिए गौरव पूर्ण है। नागपुरी संस्कृति के विकास एवं प्रचार प्रसार के लिए नागपुरी संस्कृति कर्मियों ने विभिन्न स्थानों पर छोटे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों को आयोजित करते आये है, जिससे लोगों के बीच नागपुरी के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ी है, यह वह समय काल था जब नागपुरी संस्कृति कर्मियों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भाषा संस्कृति प्रदर्शन करने का मौका मिला। नागपुरी भाषा संस्कृति में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए मुकुन्द नायक को वर्ष 2017 ई० एवं मधु मंसुरी हंसमुख को वर्ष 2020 ई० में भारत के राष्ट्रपति द्वारा पद्म श्री से सम्मानित किया गया जो समस्त नागपुरी समाज के लिए एक गौरव का विषय है। नागपुरी साहित्य के विभिन्न विषयों पर जैसे, गद्य, पद्य, नाटक आदि विषयों पर शोध कार्य हुए है, परन्तु आधुनिक काल के साहित्यकारों एंव संस्कृति कर्मियों के कार्यों का समग्र मुल्यांकन नहीं हुआ है। नागपुरी साहित्य के इतिहास आधुनिक काल के साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों के योगदान से नागपुरी भाषा का उतरोत्तर विकास में बल मिला है। इन्हीं लेखकों और कलाकारों के परिश्रम, सघर्ष एवं त्याग के कारण आज नागपुरी विश्व विख्यात हो चुकी है। मेरे इस शोध कार्य से इनके कार्यों का समुचित मुल्यांकन होगा अतएव मैं इस शोध कार्य में तत्पर हुआ।

ifjdYiuk %&

झारखण्ड की सभी जातियों तथा वर्गों की एक सम्पर्क भाषा नागपुरी है। इस कारण स्वभाविक रूप से नागपुरी के प्रति मेरा लगाव रहा है। जब बी०ए० के पढ़ाई के क्रम में नागपुरी साहित्य के विविध आयामों को जानने का अवसर मिला, नागपुरी के विपुल साहित्य भण्डार आज भी कई वषियों पर शोध कार्य से वंचित है। नागपुरी की रचनाएँ विभिन्न परिकल्पनाओं में प्रकाशित हो रही है। पर ज्यादातर पत्र–पत्रिकाएँ कुछ समय के बाद बन्द हो चुकी है। नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों के योगदान की चर्चा अल्प मात्रा में उपलब्ध है। मेरे इस शोध कार्य से नागपुरी के विकास मे आधुनिक साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों के योगदान का वर्णन होगा। आधुनिक नागपुरी के विकास में साहित्याकरों और संस्कृति कर्मियों के संयुक्त प्रयास का परिणाम है एक ओर जहाँ साहित्यकार अपनी लेखनी के माध्यम से साहित्य श्रृजन की निरन्तरता को जारी रखे हुए है। वही संस्कृति कर्मियों ने गीत, संगीत एवं नृत्य के द्वारा जनमानस में नागपुरी की लोक प्रियता को बनाये रखा।

'kk/k dk mís'; %&

1. नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों का परिचय।
2. नागपुरी भाषा के विकास में साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों के योगदान को जन–मानस तक पहुँचाना।
3. नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों का विस्तृत चर्चा करना।
4. नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों का विश्लेषण करना।
5. नागपुरी में वर्णित सभी साहित्यतिक रूपों को बतलाना।
6. नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों का समाज में प्रभाव को बतलाना।
7. नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों के छुपे (दबे) व्यक्तित्व को उजागर करना।

शोध का महत्त्व :–

किसी शोध कार्य प्रारंभ करने हेतु शोध संबंधी महत्त्व की जानकारी अतिआवश्यक है।

मेरे शोध का निम्नलिखित महत्त्व है:–

1. शोध से नागपुरी साहित्य एवं संस्कृति का विकास होगा।
2. नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों से जुड़े आगामी शोधार्थियों हेतु मार्ग प्रशस्त्र होगा।
3. शोध से नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों का झुकाव बढ़ेगा।
4. आधुनिक काल के नागपुरी साहित्यकार एवं संस्कृति कर्मियों के कार्यों का मूल्यांकन होगा।
5. जन मानस में अपनी मातृभाषा के प्रति प्रेम बढ़ेगा।
6. वृहत रूप में नागपुरी साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों के क्रियाशील का विश्लेषण होगा।
7. झारखण्डी साहित्यकारों एवं सांस्कृतिक कर्मियों पर शोध कार्य मील का पत्थर साबित होगा।

'kk/k fof/k %&

निम्नलिखित विधियों के द्वारा शोध कार्य किये जा सकते हैः–

1. अवलोकन विधि
2. साक्षात्कार विधि
3. सर्वेक्षण विधि
4. विश्लेषणात्मक विधि
5. तुलनात्मक विधि
6. प्रश्नावली

midj.k %&

निम्नलिखित सामग्री शोध कार्य के लिए उपयोग किये जा सकते हैंः–

1. शोध से संबंधित पुस्तकें, प्रकाशित रचनाएँ, संदर्भ ग्रंथ हेतु पुस्तके।
2. पत्र–पत्रिकाएँ।
3. टेप रिकॉर्डर (साक्षात्कार, सभा आदि के लिए जरूरत)।
4. मोबाईल– व्यक्तिगत सम्पर्क हेतु।
5. कम्प्यूटर– विस्तृत क्षेत्र में जानकारी हेतु।
6. इंटरनेट से सामग्री की खोज।
7. अपने शोध निदेशक से समय–समय पर निर्देश।
8. कैमरा– फोटो खिचने एवं विडियो वगैरह तैयार करने के लिए

i:j.kk%&

नागपुरी साहित्य का अपना एक विशिष्ट एवं गौरवपूर्ण स्थान है। इसका साहित्य भण्डार भी भरा–पूरा है। नागपुरी भाषा में प्रारंभिक काल से ही एक से बढ़कर एक साहित्यकार होते रहे है, जिन्होंने अपनी रचनाओं एक काव्य सौन्दर्य से साहित्य को निरंतर आगे बढ़ाया है। आज नागपुरी जैसे क्षेत्रीय का महत्त्व आधुनिक परिपेक्ष्य में बहुत अधिक हो गया है। आज नागपुरी भाषा साहित्य में पद्य के साथ–साथ गद्य नाटक और आधुनिक परिवेश से जुड़ी कई विधाओं की धारा प्रवाहित हो रही है। इसे आगे बढ़ाने में अनेकों साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों ने अपना योगदान दिया है। मैंने भाषा में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त किया है। स्वभावतः अध्ययन काल से ही मुझे साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों को सुनने मिलने और देखने का अवसर मिला है।

'kks/k dk lekt ij iHkko %&

प्रस्तुत शोध ग्रंथ में आधुनिक काल के नागपुरी साहित्यकारों और संस्कृति कर्मियों का पूर्ण विश्लेषण निहित होगा। इसमें जनता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा एवं इस शोध से अनेक नौतिक तत्व उजागर होंगे जो नये शोधर्थियों के लिए सहायता प्रदान करेगा।

'kk/k dk;l dk ik:i %&

1) प्रस्ताना

2) प्रेरणा एवं औचित्य

3) शोध कार्य कि विषय सीमा

4) शोध कार्य का अध्ययन विधि

5) विषय से संबंधित पूर्व में किये गये शोध कार्यों का विवरण

प्रस्तुत शोध ग्रंथ में आधुनिक काल के नागपुरी साहित्यकारों और संस्कृति कर्मियों का पूर्ण विश्लेषण निहित होगा। इसमें जनता पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा एवं इस शोध से अनेक नैतिक तत्व उजागर होंगे जो नये शोधर्थियों के लिए सहायता प्रदान करेगा।

'kk/k dk;l dh ikl kfxdrk %&

नागपुरी साहित्य के विविध विषयों पर शोध कार्य हुए है, परन्तु नागपुरी के विकास में आधुनिक काल के साहित्यकारों एवं संस्कृति कर्मियों का योगदान पर पूर्व में शोधकर्ताओं ने चर्चा नहीं किया है मेरे इस शोध कार्य से नागपुरी साहित्यकारों और संस्कृति कर्मियों के सहयोग से नागपुरी का नया स्वरूप लोगों के समक्ष उपस्थित होगा।

ih,p० डी० 'kks/k izcU/k dh izLrkfor :ijs[kk

'kks/k fo"k; %& ukxiqjh ds fodkl esa vk/kqfud lkfgR;dkjksa ,oa lkaLd`frd dfe;ksa dk ;ksxnku % ,d v/;;u

izFke v/;k; %& ukxiqjh dk dky foHkktu

(1) प्राचीन काल

(2) मध्य काल

(3) आधुनिक काल

f}rh; v/;k; %& ukxiqjh ds izeq[k vk/kqfud dfo@dof;=h

(1) प्रफुल्ल कुमार राय
(2) शारदा प्रसाद शर्मा
(3) सहनी उपेन्द्र पाल नहन
(4) डॉ० बी० पी० केसरी
(5) नईम उद्दीन मिरदाहा
(6) डॉ० भुवनेश्वर अनुज
(7) पद्मश्री डॉ० रामदयाल मुण्डा
(8) लाल रणविजय नाथ शहदेव
(9) सी०डी० सिंह
(10) धनेन्द्र प्रवाही
(11) डॉ० गिरिधारी राम गौंझू
(12) डॉ० कुमारी बासंती
(13) मनोहर महांती
(14) प्रमोद कुमार राय
(15) डॉ० कृष्ण प्रसाद साहु (कृष्ण कलाधर)
(16) डॉ० त्रिवेणी नाथ साहु
(17) डॉ० खालिक अहमद
(18) डॉ० सविता केसरी
(19) डॉ० शकुंतला मिश्र
(20) डॉ० उमेश नन्द तिवारी इत्यादि

r`rh; v/;k; %& ukxiqjh ds vk/kqfud lkfgR;

(1) कहानी

(2) नाटक

(3) उपन्यास

(4) निबंध

(5) संस्मरण

(6) यात्रा–वृतांत

(7) शोध–प्रबंध

prFk v/;k; ¼& ukxiqjh d iequ[k vk/kqfud dgkuhdkj

(1) प्रफुल्ल कुमार राय	(2) शारदा प्रसाद शर्मा
(3) सहनी उपेन्द्र पाल नहन	(4) डॉ० बी० पी० केसरी
(5) नईमउद्दीन मिरदाहा	(6) डॉ० भुवनेश्वर अनुज
(7) डॉ० गिरिधारी राम गौंझू	(8) डॉ० कुमारी बासंती
(9) डॉ० शकुंतला मिश्र	(10) डॉ० उमेश नन्द तिवारी इत्यादि

ipe v/;k; ¼& ukxiqjh d iequ[k vk/kqfud ukVddkj

(1) तेतइर कर छाहें	–	विष्णु दत्त साहु
(2) ठाकुर विश्वनाथ शाही	–	डॉ० बी० पी० केसरी
(3) अखरा निंदाए गेलक	–	डॉ० गिरिधारी राम गौंझू
मरङ गोमके		
महाराजा मदरा मुण्डा		
(4) अंधविश्वास, बंधुवा मजदूर	–	तीन कौड़ी साहु
(5) नवाँ इंजोर	–	अशोक पागल
(6) महादान, असुर कन्या	–	शिव अवतार चौधरी 'शिवाजी''

"k"B v/;k; %& ukxiqjh ds izeq[k vk/kqfud miU;kldkj

(1)	चकरी	–	बाल मुकुन्द बड़ाईक
(2)	संकर गोटेक जिनगी	–	प्रफुल्ल कुमार राय
(3)	सातो नदी पार	–	डॉ० शकुन्तला मिश्र
(4)	दखलदहानी, सरईगढ़ा, बन ओगरा	–	डॉ० पंचम साहु
(5)	पुगरी	–	शंकर लाल गौंझू

lIreZ v/;k; %& ukxiqjh ds izeq[k vk/kqfud fucU/kdkj ,oa 0;aX;

1) नेरूआ लोटा उर्फ सांस्कृतिक अवधारना – डॉ० बी०पी० केसरी

2) फूल सुन्दरी, परकाला – डॉ० कृष्ण कलाघर

3) कहल बेकहल (नागपुरी व्यंग्य) – राकेश रमण

v"BeZ v/;k; %& ukxiqjh ds izeq[k vk/kqfud laLd`fr dehZ

(1) क्षितीश कुमार राय

(2) भरत नायक

(3) महावीर नायक

(4) पद्मश्री मधुमंसुरी हंसमुख

(5) पद्मश्री मुकुद नायक

(6) गोविन्द शरण लोहार

(7) धनंजय नाथ तिवारी

(8) रामउचित सिंह

(9) जस्टिन एक्का

(10) धरमू नायक

(11) मनपुरन नायक

(12) जानकी देवी

(13) आजाद अंसारी

(14) मोनिका मुण्डू

(15) पवन रॉय इत्यादि

m i l gkj

i fjf'k"V

1. सहायक ग्रंथों की सूची

2. पत्र–पत्रिकाओं की सूची

3. साक्षात्कार सूची

4. चित्रावली

ukV %& vko';drk gkus ij 'kks/k ik:i e vkf'kd ifjorlu fd; tk ldr gA

'kks/k funs'kd %

प्रो० (डॉ०½ f=os.kh ukFk lkg

dqyifr

>kj[k.M jkT; [kqyk

fo'ofo|ky;] jkaph] >kj[k.MA

'kks/kkFkhl %

dapu eq.Mk

lgk;d izk/;kid

ukxiqjh Hkk"kk foHkkx]

Mksj.Mk egkfo|ky;] jkaph

यू०जी०सी०–नेट

lnHk xFkk dh lph %&

Ø० l०	y[kd@lEiknd	jpuk	idk'kd	o"k
1.	केशरी डॉ० बी०पी०	नागपुरी कवि और उनका काव्य	नागपुरी संस्थान पिठोरिया, राँची	2014
2	प्रसाद डॉ० राम	स्वातंत्र्योत्तर नागपुरी साहित्य एक शास्त्रीय अध्ययन	झारखण्ड झरोखा, राँची	2014
3.	केशरी डॉ० बी०पी०	नागपुरी भाषा साहित्य	झारखण्ड झरोखा, राँची	2016
4.	गौंझू डॉ० गिरिधारी राम	झारखण्ड की सांस्कृतिक विरासत	झारखण्ड झरोखा, राँची	2016
5.	ओहदार डॉ० कलावती	नागपुरी लोकगीत साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन	झारखण्ड झरोखा, राँची	2002
6.	मिश्र डॉ० शकुन्तला	नागपुरी कर आधुनिक झारखण्ड साहित्यकार	झारखण्ड झरोखा, राँची	2021
7.	कुमारी डॉ० पूनम	छोटानागपुर संदेश का नागपुरी साहित्य में योगदान	झारखण्ड झरोखा, राँची	2021
8.	तिवारी डॉ० उमेश नन्द	आधुनिक नागपुरी साहित्य	झारखण्ड झरोखा, राँची	2014
9.	तिवारी योगेन्द्र नाथ	नागपुरी भाषा का संक्षिप्त परिचय	राँची	1970
10.	बड़ाईक बालमुकुन्द	चकरी	झारखण्ड झरोखा, राँची	1979
11.	साहु डॉ० पंचम	सरईगढ़ा (नागपुरी उपन्यास)	झारखण्ड झरोखा, राँची	2017

12	मिश्र डॉ० शकुंतला	सातो नदी पार (नागपुरी उपन्यास)	झारखण्ड झरोखा, राँची	2017
13.	साहु डॉ० पंचम	दखल दहानी (नागपुरी उपन्यास)	झारखण्ड झरोखा, राँची	2016
14.	साहु डॉ० त्रिवेणी नाथ	आधुनिक नागपुरी कवि मनक साहित्यिक परिचय	मार्गदर्शन पब्लिकेशन, राँची, झारखण्ड	2023

i=&if=dkvk dh lph&

1. 'गोतिया'– ठुमसा टोली, चुटिया, राँची।
2. 'सहिया'– एम० जी० टावर 23 पूर्वी जेल रोड, राँची।
3. 'डहर'– छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ
4. 'संगोम'– आई० टी० पब्लिकेशन, कोकर, राँची।
5. शंखनांद– प्र० नागपुरिया सांस्कृतिक संघ, सिमडेगा
6. राँची एक्सप्रेस– अपर बाजार, राँची।
7. आज– सामलौंग, राँची
8. प्रभात खबर– कोकर, राँची
9. हिन्दुस्तान– कोकर, राँची
10. दैनिक जागरण– कोकर, राँची
11. दैनिक भास्कर– रातु रोड, राँची
12. सन्मार्ग– हरमू रोड, राँची
13. आदिवासी– बिहार सरकार, राँची
14. नागपुरी– वी०/205 जगन्नाथपुर, राँची।